



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 89] नई दिल्ली, शनिवार, मई 28, 1977/चपेष्ठ 7, 1899

No. 89] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 28, 1977/JYAISTHA 7, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 28th May 1977

SUBJECT.—Import of (i) dates, (ii) dry fruits, (iii) nutmegs/mace, (iv) Cinnamons and (v) cloves under the free licensing schemes—Import policy for the licensing period April '77—March '78

No. 30-ITC(PN)/77.—Attention is invited to the provision contained against S Nos 23—27 in Appendix 2 of the Import Trade Control Policy Book (Volume I) for April 1977—March 1978 regarding issue of licences for import of (i) dates, (ii) dry fruits, (iii) nutmegs/mace, (iv) cinnamons and (v) cloves under the free licensing scheme.

2. On a review of the position, it has been decided that —

- (i) licences for import of aforesaid items will be granted on the basis of firm commitment entered into by the applicant with the overseas suppliers. Applications for grant of licences for the aforesaid items should, therefore, be accompanied by photostat copy of firm offer and acceptance through cables or letters showing the quantity, price and delivery/shipping schedule etc

- (ii) In the case of (i) dry fruits and (ii) dates, the value of import licences will be equal to the contracted value subject to a maximum of Rs. 10,000 for each item. Import licences issued will not, however, be valid for import of dry fruits and dates from Afghanistan as provided in the import policy.
- (iii) In the case of nutmeg/mace, cloves and cinnamon, import licences will be granted for the contracted value subject to a maximum of Rs. 10,000 for each item. Established importers of these items who are holding quota certificates will be granted import licences for the value contracted or equal to the value of quota certificates subject to a maximum of Rs. 1 lakh, whichever is lower.
- (iv) All licences which have already been issued for the aforesaid items and against which no firm commitment by way of opening of irrevocable letters of credit, or any other irrevocable commitment to import the goods have been made within 3 months from the date of issue of such licences, will be automatically deemed to have been invalidated for importation.
- (v) All licences which have already been issued in respect of the aforesaid items will be deemed to have been issued subject to the conditions that irrevocable commitment to import the goods should be made within 3 months from the date of issue of licences, failing which licences will be deemed to have been automatically invalidated for importation.
- (vi) The licensee will be required to submit a report to the licensing authority concerned as soon as the imports have been effected.
- (vii) Inability to effect imports on the basis of licences issued in terms of this public notice for reasons beyond the control of the licensee, should be reported to the licensing authority concerned within 10 days from the date of which the licensee has failed to effect imports as per the original contract.

3 Applicants, who have already submitted applications for grant of licences for import of (i) dates, (ii) dry fruits for the licensing periods April 1976—March 1977 and April 1977—March 1978 and for (i) nutmegs/mace, (ii) cinnamons and (iii) cloves in terms of the policy for April 1977—March 1978 should also produce to the licensing authority concerned evidence of firm import contracts made by them with the overseas suppliers, as provided in para 2(i) above and licences will be granted only in terms of this public notice. No import licences will be granted against such pending applications, and these will be deemed to have been rejected unless the provisions of this public notice are complied with within a period of 3 months of the date of this public notice.

A. S. GILL,

Chief Controller of Imports and Exports.

**वाणिज्य संचालन**

**सार्वजनिक सूचना**

**आयात व्यापार नियंत्रण**

नई दिल्ली, 28 मई, 1977

**विषय**—स्वतन्त्र लाइसेंस योजना के अन्तर्गत (1) खजूर, (2) सूखे फल, (3) जायफल/जावली (4) दालचीनी और (5) लौंग का आयात—अप्रैल 1977—मार्च 1978 लाइसेंस अवधि के लिए आयात नीति।

सं० 33-आई टी सी(पीएन) '77—स्वतन्त्र लाइसेंस योजना के अन्तर्गत (1) खजूर, (2) सूखे फल, (3) जायफल जावली, (4) दालचीनी और (5) लौंग के आयात के लिए लाइसेंस जारी करने के संबंध में अप्रैल 1977—मार्च 1978 अवधि के लिए आयात व्यापार नियंत्रण

नीति पुस्तक (वा० 1) के परिशिष्ट 2 में क्रम सं० 23-77 के सामने दी गई व्यवस्थाओं की ओर ध्यान दिलाया जाता है ।

2. स्थिति की पुनरीक्षा करने पर यह निश्चय किया गया है कि —

- (1) उपर्युक्त मदों के आयात के लिए लाइसेंस, आवेदक द्वारा समुद्रपार संभरकों के साथ किए गए पक्के वायदों के आधार पर स्वीकृत किए जाएंगे । इसलिए उक्त मदों के लिए लाइसेंस स्वीकृत करने के लिए आवेदनपत्रों के साथ तार या पत्रों द्वारा पक्के प्रस्ताव और उसकी स्वीकृति की एक फोटो प्रति होनी चाहिए जिस में माता, कीमत और सुपुर्दगी/लदान सूची आदि को दर्शाया गया हो ।
- (2) (1) सूखे फलों और (2) खजूरों के मामले में आयात लाइसेंसों का मूल्य सविदा किए गए मूल्य के बराबर होगा किन्तु यह प्रत्येक मद के लिए अधिकतम 10,000/- रुपए के अधीन होगा । लेकिन, जसा कि आयात नीति में व्यवस्था की गई है जारी किए गए आयात लाइसेंस अफगानिस्तान से सूखे फलों और खजूरों के आयात के लिए वैध नहीं होंगे ।
- (3) जायफल/जावित्री, लौंग, और दालचीनी के मामले में आयात लाइसेंस सविदा किए गए मूल्य के लिए स्वीकृत किए जाएंगे किन्तु ये प्रत्येक मद के लिए अधिक से अधिक 10,000/- रुपए के अधीन होंगे । इन मदों के सुस्थापित आयातक जिन के पास कोटा प्रमाण-पत्र है, उन्हें सविदा किए गए मूल्य के लिए या कोटा प्रमाण-पत्र के मूल्य के बराबर किन्तु अधिक से अधिक 1 लाख रुपए के अधीन इनमें जो भी कम हो, उसके लिए आयात लाइसेंस प्रदान किए जाएंगे ।
- (4) सभी लाइसेंस जो उक्त मदों के लिए पहले से ही जारी कर दिए गए हैं और जिनके लिए अग्रिबर्तनीय साख-पत्र खोलने का कोई पक्का वायदा नहीं किया गया है या ऐसे लाइसेंसों के जारी होने की तारीख से 3 मास के भीतर माल को आयात करने के लिए कोई अन्य अग्रिबर्तनीय वायदा नहीं किया गया है तो वे आयात के लिए स्वतः अवैध समझे जाएंगे ।
- (5) उक्त मदों के सम्बन्ध में पहले से ही जारी किए गए सभी लाइसेंस इन शर्तों के अधीन जारी किए गए समझे जाएंगे कि लाइसेंस जारी करने की तारीख से 3 मास के भीतर माल को आयात करने के लिए अग्रिबर्तनीय वायदे कर दिए जाने चाहिए और ऐसा न करने पर लाइसेंस स्वतः आयात करने के लिए अवैध समझे जाएंगे ।
- (6) आयात करने ही लाइसेंसधारी को एक रिपोर्ट सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत करनी होगी ।
- (7) इस सार्वजनिक सूचना की शर्तों के अनुसार जारी किए गए लाइसेंसों के आधार पर लाइसेंसधारी के नियंत्रण से बाहर के कारणों से आयात करने में असमर्थ रहने पर इसकी सूचना सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को उस तिथि से 10 दिनों के भीतर दे देनी चाहिए जिस तिथि को लाइसेंसधारी मूल सविदा के अनुसार आयात करने में असफल रहा हो ।

3. जिन आवेदकों ने अप्रैल मार्च '77 या अप्रैल मार्च '78 के लिए (1) खजूरो, (2) सूखे फलों और अप्रैल 1977-मार्च 1978 के लिए आयात नीति की शर्तों के अनुसार (1) जायफल/जावित्री, (2) दालचीनी और (3) लौंग के आयात के लिए लाइसेन्सों की मंजूरी के लिए पहले ही आवेदनपत्र प्रस्तुत कर दिए हैं, उन्हें उपर्युक्त पैरा 2(1) में यथा उल्लिखित विदेशी संभरकों के साथ की गई अपनी पक्की आयात सविदा का साक्ष्य भी सम्बद्ध लाइसेन्स प्राधिकारी को प्रस्तुत करना चाहिए और लाइसेन्स केवल इस सार्वजनिक सूचना की शर्तों के अनुसार ही जारी किए जाएंगे। इस सार्वजनिक सूचना की तिथि से तीन महीनों की अवधि के भीतर यदि इस सार्वजनिक सूचना की शर्तें पूर्ण नहीं कर ली जाएंगी तो निलम्बित आवेदनपत्रों के आधार पर कोई भी लाइसेन्स प्रदान नहीं किया जाएगा और ये आवेदनपत्र अस्वीकार कर दिए गए समझे जाएंगे।

ए० एस० गिल,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मद्रासालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा  
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,  
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977